

फर्द अहकाम

~~राजेश कुमार~~ बनाम ~~राजेश कुमार~~ का

नाम न्यायालय

केस संख्या

यालय

व्या

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	दिनांक का
	10 ⁸ / ₂₁	पत्रावली पेश हुई है पी०ओ०साहब अन्य राज कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली पुर्नानुसार दिनांक 16/11/21 को पेश है।	
	2 ¹¹ / ₂₁	आज्ञा के पत्रावली गले के राज अधिकारी दिनांक 2-21 दिनांक 14/1/22 को पेश है।	
	18 ¹ / ₂₂	दिनांक 14/1/22 का अवरुद्ध होने के कारण पत्रावली पेश हुई है पी०ओ०साहब अन्य राज कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली पुर्नानुसार दिनांक 31/3/22 को पेश है।	
	31/3/22	पत्रावली पेश। पत्रकारान् वकील उपस्थित वकीलवादी को तयबाग व वकील उतिवादी को पत्रावली पेश हुई। आदेश उपलब्ध दिनांक 16/6/22 को पेश है।	
	16/6/22	पत्रावली पेश। पी०ओ०साहब अन्य राज कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली पुर्नानुसार दिनांक 4/8/22 को पेश है।	
	23/6/22	पत्रावली पेश। आज यह पत्रावली वकील वादी द्वारा प्रार्थना पत्रावली पेश करने पर तलब की गई। वकील स्वयं उपस्थित हैं। वकील को पहचान वकील वादी श्री भाजेंद्र सिंह एसो हादर की गई। वकील वादी ने पत्रकारान् के माध्यम राजीनामा देने से इस प्रकरण को शागे नही चलाने का विज्ञापन करने का विकल्प किया है। वकील ने भी वाद को शागे नही चलाने का	

(Handwritten signature)

(Handwritten signature)

राजेश कुमार

(Handwritten signature)

23/6/22


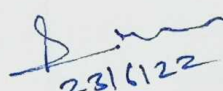
फर्द अहकाम

रामप्रसाद बनाम राम स्वल्प वगैरे

तलय

॥

70/2014-दावा

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>विद्वेष करने का कथन किया है। इस पत्रावली के साथ मुकदमा 282/14 उक्तान रामप्रसाद vs रामप्रसाद वगैरे है। जिसमें वादी शिविवरदा भी मुनी ल पत्रावली है। उक्तान भी इस वाद को विद्वेष करने पर जनापति दी है। अतः वकील वादी द्वारा प्रस्तुत प्रमाणों से कार किया जाकर वादी का वाद विद्वेष कर श्याकिज किया जाता है। पत्रावली फंसल मुभादु उक्तान दत्त मन्वद से कम है।</p> <p style="text-align: center;">  सुपखण्ड अधिकारी राजी जयपुर, </p>	<p>रामप्रसाद 282/14 28.14  23/1/22</p>